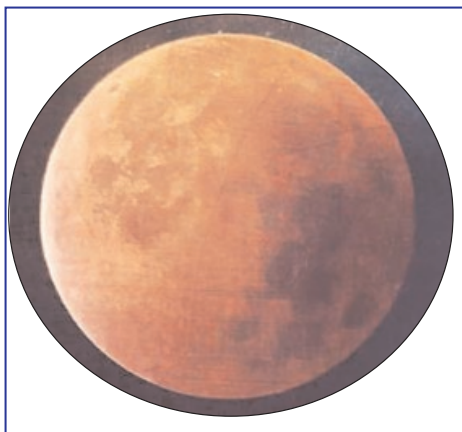

ग्रहों का स्वभाव पर भी पड़ता है प्रभाव

ग्रहों का व्यक्ति के जीवन के साथ.साथ स्वभाव पर भी सीधा प्रभाव पड़ता है। हमारा स्वभाव हमारे ग्रहों की स्थितियों से संबंध रखता है या हमारे व्यवहारस्वभाव से हमारे ग्रहों की स्थितियां प्रभावित होती हैं। अच्छा या बुरा स्वभाव सीधा हमारे ग्रहों को प्रभावित करता है। ग्रहों के कारण हमारे भाग्य पर भी इसका असर पड़ता है। कभी.कभी हमारे स्वभाव से हमारी किस्मत पूरी बदल सकती है।

वाणी

वाणी का संबंध हमारे पारिवारिक जीवन और आर्थिक समृद्धि से होता है।

खराब वाणी से हमें जीवन में आर्थिक नुक्सान उठाना पड़ता है।

कभी.कभी आकस्मिक दुर्घटनाएं घट जाती हैं।

कभी.कभी कम उम्र में ही बड़ी बीमारी हो जाती है।

वाणी को अच्छा रखने के लिए सूर्य को जल देना लाभकारी होता है।

गायत्री मंत्र के जाप से भी शीघ्र फायदा होता है।

आचरण.कर्म

हमारे आचरण और कर्मों का संबंध हमारे रोजगार से है।

अगर कर्म और आचरण शुद्ध न हों तो रोजगार में समस्या होती है।

व्यक्ति जीवन भर भटकता रहता है।

साथ ही कभी भी स्थिर नहीं हो पाता।

आचरण जैसे.जैसे सुधरने लगता है, वैसे.वैसे रोजगार की समस्या भी दूर होती जाती है।

आचरण की शुद्धि के लिए प्रातः और सायंकाल ध्यान करें।

इसमें भी शिव जी की उपासना से अद्भुत लाभ होता है।

जिम्मेदारियों की अवहेलना

जिम्मेदारियों से हमारे जीवन की बाधाओं का संबंध होता है।

जो लोग अपनी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं उठाते हैं उन्हें जीवन में बड़े संकटों, जैसे मुकदमे और कर्ज का सामना करना पड़ता है।

व्यक्ति फिर अपनी समस्याओं में ही उलझ कर रह जाता है।

अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में कोताही न करें।

एकादशी का व्रत रखने से यह भाव बेहतर होता है।

साथ ही पौधों में जल देने से भी लाभ होता है।

सहायता न करना

अगर सक्षम होने के बावजूद आप किसी की सहायता नहीं करते हैं तो आपको जीवन में मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

कभी न कभी आप जीवन में अकेलेपन के शिकार हो सकते हैं।

जितना लोगों की सहायता करेंगे, उतना ही आपको ईश्वर की कृपा का अनुभव होगा।

पितृ पक्ष में लक्ष्मी पूजा कर सकते हैं ये लोग

पितृ पक्ष में लक्ष्मी पूजा करने के कई लाभ होते हैं। पितृ पक्ष में लक्ष्मी प्राप्ति के लिए या लक्ष्मी संबंधी प्रयोग वही कर सकते हैं जिनके ऊपर पितृ पक्ष का बंधन नहीं है। यानी जो लोग श्राद्ध कर रहे हैं या पितृ पक्ष का पालन कर रहे हैं ऐसे लोग ये प्रयोग नहीं कर सकते हैं।

नियमित धन की प्राप्ति का प्रयोग.

मां लक्ष्मी के उस स्वरूप की स्थापना करें जिसमें उनके हाथों से धन गिर रहा हो।

चित्र के समक्ष घी का एक बड़ा सा दीपक जलाएं।

इसके बाद उनको इत्र समर्पित करें।

वही इत्र नियमित रूप से प्रयोग करें।

धन की बचत का प्रयोग

मां लक्ष्मी के उस स्वरूप की स्थापना करें, जिसमें उनके पास अनाज की ढेरी हो।

चावल की ढेरी पर लक्ष्मी जी का स्वरूप स्थापित करें।

उनके समक्ष घी का दीपक जलाएं उनको चांदी का सिक्का अर्पित करें।

पूजा के बाद उसी चांदी के सिक्के को अपने धन स्थान पर रख दें।

कारोबार में प्रयोग

लक्ष्मी जी के उस स्वरूप की स्थापना करें, जिसमें दोनों तरफ उनके साथ हाथी हों।

लक्ष्मी जी के समक्ष घी के तीन दीपक जलाएं।

मां लक्ष्मी को एक गुलाब का फूल अर्पित करें।

पूजा के बाद उसी गुलाब को अपने धन वाली जगह पर रख दें, रोज इस गुलाब को बदलें।

धन की बढ़ोत्तरी का प्रयोग

गणेश जी के साथ लक्ष्मी जी की स्थापना करें।

गणेश जी को पीले और लक्ष्मी जी को गुलाबी फूल चढ़ाएं।

लक्ष्मी जी को अष्टगंध अर्पित करें।

नित्य प्रातः स्नान के बाद उसी अष्टगंध का तिलक लगाएं।

तो हम भी खुश रह सकते हैं

भगवान बुद्ध कहते हैं कि हर किसी से कुछ न कुछ सीखा जा सकता है। यदि दूसरे शब्दों में कहें तो हम भी खुश रह सकते हैं कार्यस्थल पर सकारात्मक सोच के साथ व्यवहार करने पर हमें ऐसी अनुभूति होती है। काम के दौरान हम कैसे बुरे दिन को अच्छा कर सकते हैं, इन छोटी.छोटी समस्याओं का दिमाग के साथ हल निकालें। वैसे बॉस या अपने सहकर्मी के साथ शांतिपूर्वक तरीके से संवाद कर हल निकाला जा सकता है।

बौद्ध धर्म शांति से रहने और हिंसा से दूर रहने की सीख देता है। यानी अपने गुस्से पर नियंत्रण रख कर हम कार्यालय में किसी की बुराई से बच सकते हैं अपना आपा खोने से किसी समस्या का हल नहीं निकलता है। शांति से काम कर ही हम सफल होकर आगे बढ़ सकते हैं।

यह संकेत बताते हैं पितरों का मिल रहा आशीर्वाद

पितृ पक्ष के दौरान हर कोई अपने पितरों को प्रसन्न करके उनका आशीर्वाद प्राप्त करना चाहता है। क्योंकि कहा जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान सारे पितर मृत्युलोक से धरती पर अपने परिजनों के पास उनके साथ रहते हैं। इन दिनों किसी भी शुभ काम करने से मनाही होती है लेकिन ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जिन लोगों पर अपने पितरों का पूरा आशीर्वाद होता है उनके द्वारा किया हर काम उन्हें शुभ फल देता है। तो आइए जानते हैं इन संकेतों के बारे में.

जब पितृ पक्ष चल रहे होते हैं तो उस समय अगर आपको अचानक कहीं से धन की प्राप्ति होने लगे अटके हुए काम पूरे होने लगते है या फिर कोई नया काम शुरू हो जाता है तो समझिए आपके ऊपर पितरों का आशीर्वाद है।

अगर आपका कोई काम नहीं बन पा रहा है तो पितरों को याद कर लेने मात्र से ही वह काम सफल हो जाता है तो आपके ऊपर पितरों की विशेष कृपा है।

सोते समय अगर सपने में कोई पितर दिखाई दे तो समझिए आपके ऊपर पितर प्रसन्न हैं।

सपने में अगर आपको सांप दिखाई दे लेकिन आप सांप देखकर डरने के बजाए प्रसन्न हो रहे हो तो यह पितर के प्रसंन होने के संकेत है। अमावस्या की तिथि पर नुकसान होने की जगह अगर आपको कोई विशेष लाभ मिले तो समझिए आपके ऊपर पितरों की कृपा है।

बजरंग बाण के पाठ से टलती है बाधाएं

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार बजरंगबली एक मात्र ऐसे देव माने जाते हैं जो धरती पर जीवित हैं। कहते हैं ये अपने भक्तों के संकटों का निवारण करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। ज्योतिष के अनुसार भगवान शंकर की तरह हनुमान जी भी पूजा अराधना से बहुत जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं। हिंदू धर्म में हनुमान चालीसा पाठ के साथ.साथ बजरंग बाण के पाठ को भी बहुत महत्व दिया जाता है। आइए जानते हैं कि इस पाठ को करने से आपको क्या.क्या फायदा हो सकता है।

विवाह में आ रही बाधा

माना जाता है कि कदली वन या कदली वृक्ष के नीचे बजरंग बाण का पाठ करने से विवाह संबंधी आ रही सारी बाधाएं खत्म हो जाती है। यहां तक कि जिस दंपत्ति के बीच तलाक तक की नौबत आ जाए बजरंग बाण के पाठ से इस मुसीबत को भी टाला जा सकता है।

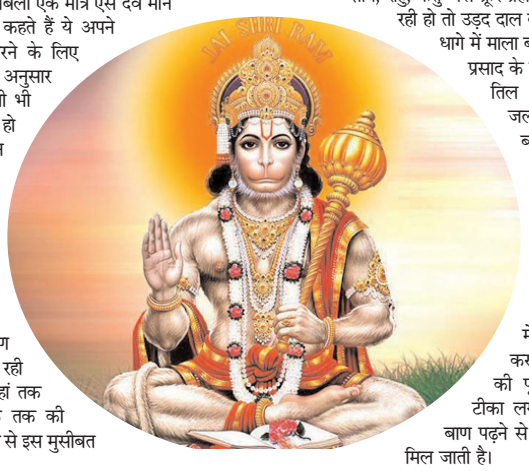

ग्रह दोष

कहते हैं अगर कोई व्यक्ति किसी भी प्रकार के ग्रहदोष से पीड़ित हो तो उसे प्रातः काल यानि सुबह आठे के दीप में लाल बत्ती जलाकर उसके समक्ष बजरंग बाण का पाठ करना चाहिए। ऐसा करने से बड़े से बड़ा ग्रह दोष पल भर में टल जाता है।

साढ़ेसाती.राहु

शनि, राहु, केतु जैसे क्रूर ग्रहों की दशा महादशा चल रही हो तो उड़द दाल के 21 या 51 बड़े एक धागे में माला बनाकर चढ़ाएं। सारे बड़े प्रसाद के रूप में बांट दें। आपको तिल के तेल का दीपक जलाकर सिर्फ 3 बार बजरंग बाण का पाठ करना होगा।

कारागार से मुक्ति

अगर किसी कारणवश जेल जाने के योग बन रहे हों, या फिर कोई संबंधी जेल में बंद हो तो उसे मुक्त कराने के लिए हनुमान जी की पूंछ पर सिंदूर से 11 टीका लगाकर 11 बार बजरंग बाण पढ़ने से कारागार योग से मुक्ति मिल जाती है।

पैसों की किल्लत दूर करेगें ये टोटके

रुपए या नोटों को सुरक्षित और व्यवस्थित रखने का कार्य हमारे पर्स बखूबी निभाते हैं। हर परिस्थिति में आपके नोट पर्स में सही ढंग से रखे रहते हैं। जिससे उनके कटने या फटने का डर नहीं रहता। पर्स में पैसा रखा जाता है अतः इस संबंध में वास्तु द्वारा कई महत्वपूर्ण टिप्स दी गई हैं। जिन्हें अपनाने पर व्यक्ति को भी धन की कमी का एहसास ही नहीं होता है। हमारे जीवन से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण बातों का संबंध वास्तु से है। वास्तु शास्त्र हमारे आसपास फैली सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा के सिद्धांतों पर कार्य करता है। जो वस्तु नकारात्मक ऊर्जा फैलाती हैं उन्हें हमारे आसपास से हटा देना चाहिए। क्योंकि इनसे हमारे सुख और कमाई पर बुरा प्रभाव पड़ता है। आय बढ़ाने या फिजूल खर्चों में कमी करने के लिए पर्स का वास्तु भी ठीक करने की आवश्यकता होती है। पर्स में सिक्के और नोट दोनों को ही अलग-अलग स्थानों पर रखना चाहिए। इसके अलावा पर्स में मृत व्यक्तियों के चित्र रखना भी शुभ नहीं माना जाता है।

अतः इस प्रकार के चित्रों को भी पर्स में नोटों के साथ नहीं रखें। पर्स में संत-महात्मा के चित्र रखे जा सकते हैं। यदि कोई संत या महात्मा देह त्याग चुके हैं तब भी उनके चित्र या फोटो पर्स रखे जा सकते हैं।

क्योंकि शास्त्रों के अनुसार देह त्यागने के बाद भी संत-महात्माओं को मृत नहीं माना जाता है। कुछ लोग पर्स में ही चाबियां भी रखते हैं, चाबियां रखना भी अशुभ ही माना जाता है। इन्हें भी रुपए-पैसों से अलग ही रखना शुभ रहता है। पर्स में नोट या सिक्कों के साथ खाने की चीजें भी नहीं रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार पर्स में ऐसे वस्तुएं हरगिज न रखें जो नकारात्मक ऊर्जा को संचारित करती हैं। पर्स में किसी भी प्रकार के बिल या भुगतान से संबंधित कागज नहीं रखने चाहिए। इसके लिए पर्स में किसी भी प्रकार की अपवित्र वस्तु भी न रखें। जो वस्तुएं फिजूल हैं, जिनका कोई उपयोग नहीं है उन वस्तुएं तुरंत ही पर्स से बाहर कर दें। इनके अतिरिक्त पर्स में धार्मिक और पवित्र वस्तुएं रखें, जिनसे सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और जिन्हें देखकर हमारा मन प्रसन्न होता है।

कमल का फूल ऐसे बना देगा आपकी जिंदगी

कमल का फूल बहुत पवित्र, पूजनीय, शांति-समृद्धि और सुंदरता का प्रतीक माना जाता है। यह सुख का सूचक है। इसीलिए कम को पुष्पराज भी कहा जाता है। पौराणिक आख्यानिकों में भगवान विष्णु की नाभि से कमल का उत्पन्न होना और उस पर विराजमान ब्रह्माजी द्वारा सृष्टि की रचना करना कमल के महत्व को सिद्ध करता है। कमल का फूल महालक्ष्मी, ब्रह्मा, सरस्वती आदि देवी-देवाओं ने अपना आसन बनाया है। जीवन में शुभ के आगमन का प्रतीक है कमल का फूल, ज्योतिष के अनुसार कमल का फूल देवी देवताओं को प्रिय होता है।

इस फूल के प्रयोग से आपकी कई मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं।

आइए जानते हैं कमल के फूल के प्रयोग से कैसे चमकेगी आपकी किस्मत

लक्ष्मीजी को कमल का फूल बहुत ही पसंद हैं, फूलों में कमल का खास स्थान है, कमल की खूबसूरती इसी से सिद्ध होती है भगवान के नेत्रों की तुलना कमल पुष्प से की जाती है।

महालक्ष्मी की पूजन में उन्हें कमल का फूल भेंट करें और अपने आचरण को कमल के समान बनाएं, आपका घर हमेशा धन-दौलत से भरा रहेगा।

कमल कीचड में ही खिलता है परंतु वह उस की गंदगी से परे है, उस पर गंदगी हावी नहीं हो पाती।

कमल पर विराजित लक्ष्मी यहीं संदेश देती है कि वे उसी व्यक्ति पर कृपा बरसाती है जो कीचड जैसे बुरे समाज में भी कमल की तरह निष्पाप रहे और खुद पर बुराइयों को हावी न होने दें।

उत्तर.पूर्व में वाशिंग मशीन होगी सेहत पर भारी

वाशिंग मशीन का उपयोग कपड़े धोने में किया जाता है, लेकिन इसे वास्तु के लिहाज से देखा जाए तो यह आपकी कई परेशानियों को भी बढ़ा सकती है वहीं अगर इसके उपाय पहले से ही कर लिए जाऐं वाशिंग मशीन से संबंधित वास्तुदोषों से राहत भी पायी जा सकती है। क्या आप जानते हैं वाशिंग मशीन से कौनसे वास्तुदोष उत्पन्न होते हैं और इन्हें दूर करने के उपाय क्या हैं।

वास्तुशास्त्र के अनुसार वाशिंग मशीन को दक्षिण.पूर्व दिशा में रखना चाहिए। यह दोनों ही दिशाएं चिंता और विश्लेषण से संबंधित होती है। यदि आप घर में वाशिंग मशीन को इस दिशा में रखते हैं तो करियर के विकास में आ रही रुकावटों को दूर किया जा सकता है।

उत्तर.पूर्व में यदि वाशिंग मशीन रखी हो तो यह आपके स्वास्थ्य पर सीधा असर डालती है। इसलिए इसे ऐसी जगह रखने से बचें। दक्षिण.पश्चिम दिशा में अगर वाशिंग मशीन रखी जाती है तो इससे वास्तुदोष उप्पन्न होता है और घर में नकारात्मक ऊर्जा आती है। ऐसे में इस दिशा में वाशिंग मशीन भूलकर भी न रखें।